

वो आ गया खाटू वाला

वो आ गया खाटू वाला, वो आ गया खाटू वाला,
वो अहलवती का लाला, वो हारे को जिताने वाला,
वो आ गया खाटू वाला.....

तन केसरिया बागा सोहे,
मोहन मुरली वाला,
वो आ गया खाटू वाला.....

शीश मुकुट कानों में कुण्डल,
गल पुष्पों की माला,
वो आ गया खाटू वाला....

युमना किनारे गउएं चरावे,
ओढ़े कम्बल काला,
वो आ गया खाटू वाला.....

श्याम नाम तू क्यों नहीं लेता,
पड़ा जुबां पे ताला,
वो आ गया खाटू वाला.....

भीमसेन के पौत्र लाडले,
अहलवती के लाला,
वो आ गया खाटू वाला....

मन्दिर में झूला डलवावे,
झोंटा दे ब्रिज बाला,
वो आ गया खाटू वाला....

एक निशानी और बताऊँ,
श्याम का रंग है काला,
वो आ गया खाटू वाला....

श्याम मंदिर पे दुष्टों ने था,
अपना डेरा डाला,
वो आ गया खाटू वाला....

आलूसिंह जी पर कृपा कीनी,
भक्तों का रखवाला,
वो आ गया खाटू वाला....

गर्व तोड़ कर श्याम-बहादुर,
के हित खोला ताला,

वो आ गया खाटू वाला.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25963/title/vo-aa-gya-khatuwala>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |